ऑयल इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
Oil India Limited
(A Government of India Enterprise)
Conquering Newer Horizons

आज़ादी का अमृत महोत्सव

24th September 2022, Noida

PRESS RELEASE

Oil India Records Highest Ever Profit in FY 2021-22

Oil India Limited (OIL), India's second largest National Exploration & Production Company held its 63rd Annual General Meeting (AGM) on 24th September 2022. During FY 2021-22, Oil India recorded its highest ever Profit After Tax at ₹3,887.31 Crores, a growth of 123% over last year with a substantial increase in Earnings per Share (EPS) at ₹35.85. The company also recorded its highest ever total income at ₹16,428 Crores during the year with a total CAPEX of ₹4,367 Crore, which was 106% of its target.

Aligned with the national priorities, Oil India is placing greater thrust on exploration activities thereby attempting to create significant value proposition for the future. In line with the Government of India's Hydrocarbon Vision 2030 for NE India and thrust on reducing imports, Oil India has embarked upon an aspirational target of Mission 4 plus for significant increase in production of Crude Oil and Natural Gas. In this direction, the company recorded the highest ever record production of Natural Gas since inception at 3.045 BCM as against 2.642 BCM in 2020-21. The company also improved its Crude Oil production at 3.010 MMT as against 2.964 MMT in FY 2020-21.

With a total exploration acreage of 63,097.9 sq. km spread across India including 53,859.20 sq. km of acreage acquired under OALP, Oil India is at the cusp of an exciting growth curve in the coming years. This growth trajectory of exploration acreage in Category -II and Category-III basins will enable OIL to expand its footprint to other high-potential regions of India apart from its current footprints in Assam, Arunachal Pradesh, Mizoram, Tripura, Nagaland, Rajasthan, Odisha, Mahanadi Onshore, Andhra Pradesh,

Andaman Offshore, Kerala-Konkan Offshore, and Krishna-Godavari Shallow water.

Oil India commissioned India's first 99.9% pure Hydrogen Pilot Plant in Assam, which is OIL's first significant step towards boosting Green Hydrogen economy in India.

Dr. Ranjit Rath, Chairman & Managing Director, Oil India Limited, in his AGM address, echoed that Oil India is committed in its quest for enhanced & expedited coverage of exploration acreages and augmented production of Crude Oil & Natural Gas, aligned with the national priorities, the hydrocarbon vision of Government of India and the energy security of the nation.

****

24 सितंबर 2022, नोएडा

प्रेस विज्ञप्ति

ऑयल इंडिया ने वित्त वर्ष 2021-22 में अब तक का सबसे अधिक लाभ दर्ज किया

ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल), जो भारत की दूसरी सबसे बड़ी राष्ट्रीय अन्वेषण और उत्पादन कंपनी है, ने 24 सितंबर 2022 को अपनी 63वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) आयोजित की। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान, ऑयल इंडिया ने अपना अब तक का सबसे अधिक कर पश्चात् लाभ ₹3,887.31 करोड़ दर्ज किया। यह पिछले वर्ष की तुलना में 123% की वृद्धि के साथ प्रति शेयर आय (ईपीएस) में ₹35.85 की पर्याप्त वृद्धि दर्शाती है। कंपनी ने वर्ष के दौरान ₹16,428 करोड़ की अपनी अब तक की सर्वाधिक कुल आय भी दर्ज की, जिसमें कुल पूंजीगत व्यय ₹4,367 करोड़ था, जो उसके लक्ष्य का 106% था।

राष्ट्र की प्राथमिकताओं के अनुरूप, ऑयल इंडिया अन्वेषण गतिविधियों पर अधिक जोर दे रहा है जिससे भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मूल्य प्रस्ताव तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। पूर्वोत्तर भारत के लिए भारत सरकार के हाइड्रोकार्बन विजन 2030 और आयात को कम करने पर जोर देने को देखते हुए, ऑयल इंडिया ने कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि के लिए मिशन 4 प्लस के एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य को अपनाया है। इस दिशा में, कंपनी ने 2020-21 में 2.642 बीसीएम की तुलना में 3.045 बीसीएम पर प्राकृतिक गैस का अब तक का सबसे अधिक रिकॉर्ड उत्पादन दर्ज किया है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 में 2.964 एमएमटी की तुलना में अपने कच्चे तेल के उत्पादन में 3.010 एमएमटी का सुधार किया है।

ओएएलपी के तहत प्राप्त 53,859.20 वर्ग कि.मी. क्षेत्रफल सहित पूरे भारत में फैले 63,097.9 वर्ग कि.मी. के कुल अन्वेषण क्षेत्र के साथ, ऑयल इंडिया आने वाले वर्षों में बेहद आकर्षक बढ़ती विकास दर की अपेक्षा करता है। श्रेणी-II और श्रेणी-III बेसिनों में अन्वेषण क्षेत्रफल की यह बढ़ती विकास दर ओआईएल को असम, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, त्रिपुरा, नागालैंड, राजस्थान, ओडिशा में अपनी मौजूदा उपस्थिति के अलावा, महानदी तटीय क्षेत्र, आंध्र

प्रदेश, अंडमान अपतटीय क्षेत्र, केरल-कोंकण अपतटीय क्षेत्र, और कृष्णा-गोदावरी उथले जल जैसे भारत के अन्य उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में भी अपनी उपस्थिति का विस्तार करने में सक्षम बनाएगी।

ऑयल इंडिया ने असम में भारत का पहला 99.9% शुद्ध हाइड्रोजन प्रायोगिक संयंत्र चालू किया, जो भारत में हरित हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में ओआईएल का पहला महत्वपूर्ण कदम है।

डॉ. रंजीत रथ, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, ऑयल इंडिया लिमिटेड, ने अपने एजीएम संबोधन में दोहराया कि ऑयल इंडिया राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, भारत सरकार के हाइड्रोकार्बन विजन और राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा के अनुरूप, अन्वेषण क्षेत्रफल तथा कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का विस्तार करने और तुरंत कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

****

ऑयल इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का उद्यम)
Oil India Limited
(A Government of India Enterprise)
Conquering Newer Horizons

आज़ादी का अमृत महोत्सव

২৪ ছেপ্তেম্বৰ, নয়দা

প্ৰেছ বিজ্ঞপ্তি

২০২১-২২ বিত্তীয় বৰ্ষত অইল ইণ্ডিয়াৰ সৰ্বাধিক লাভৰ অভিলেখ

ভাৰতৰ দ্বিতীয় বৃহত্তম ৰাষ্ট্ৰীয় অন্বেষণ আৰু উৎপাদন প্ৰতিষ্ঠান অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেডৰ ৬৩ সংখ্যক বাৰ্ষিক সাধাৰণ সভাখনি ২৪ ছেপ্টেম্বৰ, ২০২২ তাৰিখে অনুষ্ঠিত কৰা হয়। ২০২১-২২ বিত্তীয় বৰ্ষৰ সময়ছোৱাত অইল ইণ্ডিয়াই এতিয়ালৈকে সৰ্বাধিক কৰ পশ্চাদ লাভ ৩,৮৮৭.৩১ কোটি টকাৰ অভিলেখ গঢ়ে, যিটো বিগত বৰ্ষৰ তুলনাত ১২৩% বেছি। লগতে প্ৰতিটো শ্বেয়াৰত আয়ো যথেষ্ট বৃদ্ধি পাই ৩৫.৮৫ টকা হয়। বছৰটোত কোম্পানীৰ মুঠ আয় ১৬,৪২৮ কোটিও হৈছে এতিয়ালৈকে হোৱা সৰ্বোচ্চ আয় আৰু মুঠ কেপেক্স হয় ৪,৩৬৭ কোটি টকা যিটো ইয়াৰ লক্ষ্যৰ ১০৬%।

ৰাষ্ট্ৰীয় অগ্ৰাধিকাৰৰ সৈতে সংগতি ৰাখি অইল ইণ্ডিয়াই অন্বেষণ কাৰ্য্যকলাপৰ ওপৰত অধিক গুৰুত্ব আৰোপ কৰিছে আৰু ইয়াৰ জৰিয়তে ভৱিষ্যতৰ বাবে উল্লেখযোগ্য মূল্য প্ৰস্তাৱ সৃষ্টি কৰাৰ প্ৰয়াস কৰা হৈছে। ভাৰত চৰকাৰৰ উত্তৰ-পূৰ ভাৰতৰ হাইড্ৰ’কাৰ্বন ভিজন ২০৩০ৰ সৈতে সংগতি ৰাখি আৰু আমদানি হ্ৰাস কৰাৰ ওপৰত গুৰুত্ব আৰোপ কৰি অইল ইণ্ডিয়াই খাৰুৱা তেল আৰু প্ৰাকৃতিক গেছৰ উৎপাদন যথেষ্ট বৃদ্ধিৰ বাবে মিছন ৪ প্লাছৰ এক আকাংক্ষিত লক্ষ্যত উপনীত হৈছে। এই দিশত কোম্পানীটোৱে ২০২০-২১ বৰ্ষৰ ২.৬৪২ বি চি এমৰ বিপৰীতে ২০২১-২২ বিত্তীয় বৰ্ষত ৩.০৪৫ বি চি এম প্ৰাকৃতিক গেছ উৎপাদন কৰি আৰম্ভণিৰ পৰা এতিয়ালৈকে সৰ্বাধিক প্ৰাকৃতিক গেছৰ উৎপাদনৰ অভিলেখ সৃষ্টি কৰিলে। খাৰুৱা তেলৰ উৎপাদনৰ ক্ষেত্ৰতো ২০২০-২১ বিত্তীয় বৰ্ষৰ ২.৯৬৪ এম এম টিৰ তুলনাত ৩.০১০ এম এম টিলৈ বৃদ্ধি হয়।

অ’ এ এল পিৰ অধীনত অধিগ্ৰহণ কৰা ৫৩,৮৫৯.২০ বৰ্গ কিলোমিটাৰ এক্ৰিয়েজকে ধৰি সমগ্ৰ ভাৰততে বিস্তৃত মুঠ ৬৩,০৯৭.৯ বৰ্গ কিলোমিটাৰ অন্বেষণ এক্ৰিয়েজৰ সৈতে অইল ইণ্ডিয়াই অনাগত বছৰবোৰত এক ৰোমাঞ্চকৰ বৃদ্ধিৰ বক্ৰৰ শিখৰত উপনীত হৈছে। দ্বিতীয় আৰু তৃতীয় শ্ৰেণীৰ অৱবাহিকাত অন্বেষণ এক্ৰিয়েজৰ এই বৃদ্ধিৰ গতিপথে অইলক ভাৰতৰ অন্যান্য উচ্চ-সম্ভাব্য অঞ্চললৈ নিজৰ স্থান সম্প্ৰসাৰণ কৰিবলৈ সক্ষম কৰি তুলিব। বৰ্তমান অইলৰ অসম, অৰুণাচল প্ৰদেশ, মিজোৰাম, ত্ৰিপুৰা, উত্তৰ-পূবৰ নাগালেণ্ড আৰু ৰাজস্থান, ওড়িশা, মহানদী অনশ্ব’ৰ, অন্ধ্ৰপ্ৰদেশ, আন্দামান অফশ্ব’ৰ, কেৰেলা-কংকান অফশ্ব’ৰ, আৰু উত্তৰ-পূবৰ বাহিৰৰ কৃষ্ণ-গোদাৱৰী অগভীৰ পানীত পদচিহ্ন আছে।

অইল ইণ্ডিয়াই অসমত ভাৰতৰ প্ৰথমটো ৯৯.৯% বিশুদ্ধ হাইড্ৰ’জেন পাইলট প্ৰকল্পৰ কাম আৰম্ভ কৰিছে, যিটো ভাৰতত গ্ৰীণ হাইড্ৰ’জেন অৰ্থনীতি বৃদ্ধিৰ দিশত অইলৰ প্ৰথম উল্লেখযোগ্য পদক্ষেপ।

অইল ইণ্ডিয়া লিমিটেডৰ অধ্যক্ষ আৰু পৰিচালন সঞ্চালক ড০ ৰঞ্জিত ৰথে বাৰ্ষিক সাধাৰণ সভাত কয় যে, ৰাষ্ট্ৰীয় অগ্ৰাধিকাৰ, ভাৰত চৰকাৰৰ হাইড্ৰ’কাৰ্বন ভিজন আৰু জাতিটোৰ শক্তি নিৰাপত্তাৰ সৈতে সংগতি ৰাখি অন্বেষণ এক্ৰিয়েজ আৰু খাৰুৱা তেল আৰু প্ৰাকৃতিক গেছ উৎপাদনৰ বৃদ্ধি আৰু ক্ষিপ্ৰ কভাৰেজৰ বাবে নিজৰ অভিযানত অইল ইণ্ডিয়া প্ৰতিশ্ৰুতিবদ্ধ ।

****